मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश बन रहा 'हरियालो राजस्थान'

5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण से राज्य बनेगा 'हरित प्रदेश'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सतत विकास के साथ हरित राजस्थान एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राजस्थान में शर्मा के विजन से 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के जरिए भावी पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संपदा में बढ़ोतरी की जा रही है। इस कार्य को साकार करने के लिए मल्टी सेक्टोरल प्रोग्राम के रूप में शुरू किया गया 'मिशन हरियालो राजस्थान' अहम कड़ी साबित हो रहा है। शर्मा के दिशा-निर्देशन में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। वर्ष 2024 के मानसून में 7 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य से अधिक 7.22 करोड़ पौधारोपण किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2025 के मानसून में भी 10 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य के विरूद्ध 11.74 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया। इस प्रकार पिछले 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण किया जा चुका है। इस महाअभियान में विभिन्न फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों की विभिन्न प्रजातियां लगाई गई हैं। इस उपलब्धि से प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण भी हो रहा है।

- 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण को मिली मजबूती

मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य के समस्त जिला मुख्यालयों पर 'नमो नर्सरी' की स्थापना और प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर चरणबद्ध रूप से 'नमो वन' विकसित करने के कार्य को वन एवं पर्यावरण विभाग प्रतिबद्धता से पूरा कर रहा है। वहीं, उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा में चंदन वन की स्थापना के लिए जरूरी कदम भी उठाए जा रहे हैं। इसी प्रकार शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए वर्ष 2025-26 में राज्य का पहला 'हरित बजट' भी प्रस्तुत किया गया था।मिशन हरियालो राजस्थान के तहत राजस्थान में मानसून सीजन से पहले से पौधारोपण के लिए स्थान का चयन, फेंसिंग, खड्डे, नर्सरियों से पौधों की व्यवस्था की जाती है। जिसके पश्चात राज्य सरकार के हितधारक विभागों और जनसहभागिता से पौधारोपण के कार्य को किया जाता है। जिओ टैगिंग के माध्यम से पौधों के संधारण एवं संरक्षण के काम को भी बखूबी किया जा रहा है। जिसमें राज्य सरकार की ओर से बनाए गए वन मित्र एवं वृक्ष मित्र अहम भूमिका निभा रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ''राज ममता'' कार्यक्रम का शुभारंभ

सवाई मानसिंह अस्पताल में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान प्रारंभ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत एवं सुगम बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए इस वित्तीय वर्ष की बजट घोषणा के अनुसार राज-ममता कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषयों पर संवाद एवं समीक्षा भी की।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान तथा राज-ममता कार्यक्रम का शुभारम्भ करने के बाद चिकित्सकों से संवाद किया।

- चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किया संवाद
- एसएमएस में बनेगा मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक्सीलेंस सेंटर
- निजी अस्पतालों की तुलना में कम लागत में होगा त्वचा रोग इलाज

चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में राज-ममता (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मेंटयोरिंग एंड ट्रीटमेंट फॉर ऑल) कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की ऑनलाइन समीक्षा के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग एप एवं आउटरीच एप को भी लांच किया।

खींवसर ने कहा कि बढ़ते तनाव के दौर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं बेहतर उपचार सेवाओं के लिए राज्य सरकार ने अभिनव पहल करते हुए राज-ममता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत एसएमएस अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक्सीलेंस सेंटर बनाया जाएगा। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रकोष्ठ गठित किए जाएंगे तथा मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

शिक्षण संस्थानों में तनाव प्रबंधन कार्यशाला एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे। विद्यालयों में मानसिक परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे।

खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डर्मेटोलॉजी संस्थान में स्थापित अत्याधुनिक मशीनें, विशेष रूप से एआई आधारित तकनीक, त्वचा रोगों के निदान और उपचार को अधिक सटीक, प्रभावी और आधुनिक बनाएंगी।

खींवसर ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वास्थ्य केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हों। अस्पतालों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाए। जिन अस्पतालों के भवन जर्जर हालत में हैं, उनकी मरम्मत करवाई जाए।

सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को आगामी दिनों में हीट-वेव को ध्यान में रखते हुए समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को कहा वे नियमित रूप से बेसिक पैरामीटर्स की जरूर समीक्षा करें, ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे।

राठौड़ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गैर संक्रामक बीमारियों पर विशेष फोकस करने और जीरियाट्रिक केयर पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक जोगाराम ने एचपीवी वेक्सीन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए नियमित रूप से स्कूलों में चर्चा कर नजदीकी पीएचसी या अन्य स्वास्थ्य केन्द्र पर लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कायाकल्प कार्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम पर विचार व्यक्त किए। निदेशक आरएमएससीएल पुखराज सेन ने कहा कि प्रत्येक रोगी को दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान रखा जाए। दवाओं की मांग और आपूर्ति की नियमित समीक्षा करें।

बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. सुशील परमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दें : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास पूनम, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की कियान्विति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में महिला एवं बाल विभाग से सम्बन्धित 11 बजट घोषणाओं का समयबद्धता से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिनमें से एक बजट घोषणा का क्रियान्यवयन हो गया है जबकि बाकि 10 बजट घोषणाओं को भी समय पर पूरा किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने इसके साथ ही संकल्प पत्र पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों को बेहतर मिल सकती है। इसके साथ ही वहां आने वाली गर्भवति एवं धात्री महिलाओं, किशोरी बालिकाओं को भी बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं।उपमुख्यमंत्री ने उन्होंने निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों को राजकीय विद्यालय भवनों में संचालित करवाने हेतु कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर सुविधायुक्त किराए के भवनों में संचालित करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत, पेय जल और क्रियाशील शौचालय उपलब्ध करवाएं।

उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई।

कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी की बेटी की कार का एक्सीडेंट

जयपुर। ज्योति नगर थाना क्षेत्र में विधानसभा के मुख्य द्वार के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी की पुत्री आस्था चौधरी चला रही थीं। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कार सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। पुलिस के अनुसार कार अंबेडकर सर्किल से एमएलए क्वार्टर की ओर जा रही थी। विधानसभा गेट के पास सड़क पर अचानक चार-पांच श्वान आ जाने से चालक ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, जिससे वाहन पर नियंत्रण खो गया और कार ट्रैफिक सिग्नल पोल व पेड़ से जा टकराई। थाना साउथ में तैनात पुलिसकर्मी कैलाश ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त क्रेटा कार आस्था चौधरी के नाम से नागौर पते पर पंजीकृत है और हादसे के समय वही वाहन चला रही थीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षितग्रस्त वाहन को जब्त कर थाने ले जाया गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई है। फिलहाल इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिलैंडर किसी अन्य को बेचा, गैस एजेंसी पर 4 हजार रुपए हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने ग्राहक का गैस सिलेंडर किसी अन्य को बेचने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने मुरलीपुरा की सीमा भारत गैस एजेंसी पर चार हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष जीएल मीणा और सदस्य अजय कुमार व सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश घनश्याम दास विजय के परिवाद पर दिए। परिवाद में कहा गया कि परिवादी को विपक्षी गैस एजेंसी से सिलेंडर की सप्लाई होती थी। इस दौरान ही एक दिसंबर 2021 को उसके मोबाइल पर सिलेंडर डिलीवर होने का एक मैसेज आया, जबकि उसने सिलेंडर की बुकिंग ही नहीं कराई थी। इस बारे में उसने गैस एजेंसी के कर्मचारियों से पूछा तो उन्होंने कोई भी जवाब नहीं दिया। परिवादी सिलेंडर की जरूरत हुई तो उसने 5 दिसंबर को बुक कराया और 7 दिसंबर को उसे सिलेंडर की डिलीवरी हुई। डिलीवरी रसीद में उसे अब तक 4 सिलेंडर डिलीवर होना बताया, जबकि उसे 3 सिलेंडर ही मिले थे। इस पर परिवादी ने उसका गैस सिलेंडर किसी अन्य को बेचने पर गैस एजेंसी को कानूनी नोटिस भेजा और गैस एजेंसी के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। जवाब में गैस एजेंसी ने कहा कि परिवादी को 15 सिलेंडर की सब्सिडी मिलती है और उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिला उपभोक्ता आयोग ने दोनों पक्षों को सुनकर माना कि गैस एजेंसी ने अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस कर परिवादी का सिलेंडर किसी अन्य को बेचान किया है, ऐसे में उस पर हर्जाना लगाना उचित होगा।

'आदेश की पालना करो, वरना झालावाड़ एसपी पेश होकर जवाब दें'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद याचिकाकर्ता से वसूली गई राशि नहीं लौटाने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 अप्रैल को झालावाड़ पुलिस अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आदेश की पालना कर ली जाती है तो एसपी को उपस्थित होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश विश्वेन्द्र सिंह की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले में सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी खारिज होने के बाद भी अदालती आदेश की पालना नहीं करना गंभीर बात है। इसके बावजूद भी न्याय हित में संबंधित अधिकारियों को आदेश की पालना के लिए अंतिम मौका और दिया जाता है।अवमानना याचिका में अधिवक्ता आमिर खान और रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पुलिस कांस्टेबल के तौर पर विभाग में अपनी सेवाएं दे रहा था। इस दौरान उसका चयन शिक्षक पद पर हो गया। ऐसे में याचिकाकर्ता ने शिक्षक पद का कार्य ग्रहण करने के लिए विभाग को प्रार्थना पत्र पेश कर रिलीव करने को कहा, लेकिन विभाग ने उसे रिलीव नहीं किया। वहीं दूसरी ओर विभाग ने याचिकाकर्ता के प्रशिक्षण और वेतन पर राशि खर्च होना बताकर करीब चार लाख रुपए की रिकवरी निकाल दी। इस राशि को अदा करने पर ही याचिकाकर्ता को रिलीव किया गया। इसे चुनौती देने पर एकलपीठ ने 6 अगस्त, 2024 को विभाग को वसूल की गई राशि लौटाने को कहा। इस आदेश को पहले हाईकोर्ट की खंडपीठ और फिर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन विभाग को राहत नहीं मिली। इसके बावजूद भी विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आदेश की पालना नहीं करने पर झालावाड़ एसपी को तलब किया है।

पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में 329 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

जयपुर। राजस्थान पुलिस की कार्यकुशलता और टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयपुर रेंज की 21वीं अंतर जिला (रेंज स्तरीय) पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता-2025 का भव्य शुभारंभ मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन, जयपुर ग्रामीण में किया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन की मेजबानी जिला जयपुर ग्रामीण द्वारा की जा रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने खेलकूद प्रतियोगिता के आगाज की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद सहित रेंज के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि और अन्य अधिकारियों ने पुलिस लाइन प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रतियोगिता के पहले दिन जयपुर रेंज के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भव्य मार्च पास्ट किया और मुख्य अतिथि का अभिवादन करते हुए पूरी खेल भावना के साथ खेलने की शपथ ली। इस प्रतियोगिता में रेंज के विभिन्न जिलों से कुल 329 पुलिसकर्मी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें 263 पुरुष और 66 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। रेंज स्तरीय इस आयोजन में वॉलीबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, हैंडबॉल, कुश्ती, एथलेटिक्स और ताइक्वांडो सहित कुल 9 खेलों को शामिल किया गया है। खिलाड़ियों की सुविधा और खेल के मानकों को देखते हुए प्रतियोगिता के सभी मैचों का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा।

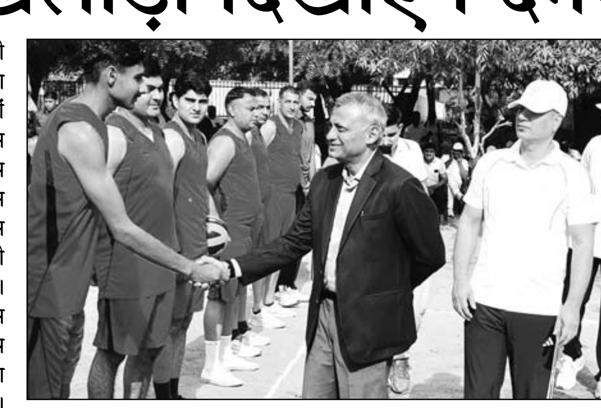

जयपुर रेंज की 21वीं अंतर जिला पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के बाद पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ियों से मुलाकात की।

मुख्य अतिथि संजय कुमार अग्रवाल ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं, बल्कि इनसे आपसी समन्वय और बॉन्डिंग भी मजबूत होती है। इससे पूर्व रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने स्वागत उद्बोधन देते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के अंत में जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने सभी अतिथियों का आभार जताया। आयोजन के दौरान महानिरीक्षक राहुल प्रकाश द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया पुलिस ने मोबाइल चोरी के बाद डिजिटल पेमेंट ऐप के जरिए बैंक खाते से लाखों रुपए निकालने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल और 90 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। डीसीपी (पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संजय कुमार मीना (28) निवासी दौसा है। उसके खिलाफ पूर्व में भी मानपुर, बांदीकुई और जयपुर के खो नागोरियान थानों में चोरी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने 12 मार्च की रात जगदीश प्रसाद मीना के निर्माणाधीन मकान से मोबाइल चोरी किया था। इसके बाद उसने मोबाइल में फोन-पे ऐप डाउनलोड कर परिचितों के बैंक खातों में कई ट्रांजेक्शन किए और पीड़ित के खाते से कुल 7 लाख 38 हजार रुपए निकाल लिए। घटना का खुलासा 21 मार्च को हुआ, जब पीड़ित ने अपने बैंक खाते की जांच की और रुपए निकाले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद रामनगरिया थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस की विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर 31 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने ठगी की रकम का कुछ हिस्सा ऑनलाइन गेमिंग और अन्य शौक पूरे करने में खर्च कर दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी से 90 हजार रुपए नकद और चोरी किया गया मोबाइल बरामद कर लिया है।

सलूम्बर में 3600 से ज्यादा चिकित्सा टीमों ने किया घर-घर सर्वेक्षण

पांच बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत का मामला

जयपुर। सलूम्बर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत के प्रकरण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलूम्बर सहित उदयपुर संभाग के सातों जिलों में व्यापक स्तर पर आउटब्रेक नियंत्रण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभाग की टीमें लगातार सर्विलांस कार्य कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि बच्चों की मौत का प्रकरण सामने आने के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने तत्काल विशेषज्ञों की टीम गठित कर मामले की जांच करवाने एवं रोग नियंत्रण के लिए व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए थे। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी लगातार प्रभावित क्षेत्र की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरएनटी मेडिकल कॉलेज की टीम द्वारा मंगलवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर आउटब्रेक की जांच की गई तथा प्राथमिक उपचार एवं जांच प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।राज्य स्तरीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर विस्तृत जांच की।प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि उदयपुर संभाग में करीब 3690 टीमों द्वारा 52 हजार से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 275 लक्षण वाले मरीज चिन्हित किए गए। इनमें से 25 मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों हेतु रेफर किया गया। इस दौरान 13 हजा से अधिक स्थानों पर सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियां संचालित की गईं।

सलूम्बर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौतों के बाद चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर जांच की।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि सलूम्बर के झालरा ब्लॉक के सेमारी गांव में 01 चार वर्षीय बच्चे की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि आउट ब्रेक नियंत्रण गतिविधियों के तहत मंगलवार को उदयपुर संभाग में 651 मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए 2,557 स्थानों पर एंटी-लार्वल गतिविधियां की गईं। क्षेत्र में 1,796 ब्लड स्लाइड्स ली गईं तथा 94 सैंपल जांच हेतु एकत्रित किए गए।

लालपुरा-घाटा में सात बच्चों को किया रैफर

मौके पर पहुंचे अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी

सलूम्बर, (निसं)। सलूम्बर जिले के लसाड़िया उपखंड क्षेत्र के लालपुरा व घाटा गांवों में रहस्यमयी बीमारी का प्रकोप लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। सोमवार देर रात फिर कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें लसाड़िया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सलूम्बर जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक कुल 7 बच्चों को जिला अस्पताल रेफर किया जा चुका है। स्थिति को देखते हुए चिकित्सा विभाग और पशुपालन विभाग द्वारा गांवों में दवा छिड़काव (फॉगिंग) किया जा रहा है।

प्रशासन ने हालात पर नियंत्रण के लिए सीएचसी लसाड़िया में अस्थायी चिकित्सा शिविर भी स्थापित किया है, जहां ग्रामीणों की जांच और उपचार किया जा रहा है। घाटा व लालपुरा में घर घर जाकर सर्वे कर रही है। जिनके लक्षण लग रहे उनको लसाड़िया सीएचसी भेजा जा रहा है, जहां से 7 बच्चों को सलुम्बर जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। 17 बच्चों की स्थिति सेम्पलिंग की गई। जो जांच के लिए उदयपुर भेजी गई है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला, चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रकाश चन्द्र शर्मा, सीएमएचओ डॉ महेंद्र परमार, अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. वी.डी. मीणा, उपखंड अधिकारी दिनेश आचार्य, डीएसपी हेरंब जोशी, तहसीलदार रामजीलाल गुर्जर, विकास अधिकारी मांगू सिंह मीणा, बीसीएमएचओ डॉ. सिंटु कुमावत, कूण थानाधिकारी निलेश कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर हालात पर नजर बनाए हुए हैं। धरियावद विधायक थावरचंद डामोर भी घाटा पहुंचे और विद्यालय में चिकित्सा अधिकारियों व प्रशासन से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर तुरंत अस्पताल जाएं और अंधविश्वास से दूर रहें।

उदयपुर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी मंगलवार दोपहर घाटा पहुंचे और मौके पर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ दिनेश राय सापेला व चिकित्सा अधिकारियों से अब तक की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

शातिर चेन स्नैचर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में बढ़ती चेन स्नैचिंग की वारदातों पर लगाम कसते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने एक शातिर बदमाश को दबोचने में सफलता हासिल की है । सीएसटी ने करधनी थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी चिरंजीत उर्फ रामचरण को गिरफ्तार किया है । पकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने सोने की एक चेन भी बरामद की है । फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी अपराध संजीव नैन अनुसार गिरफ्तार आरोपी चिरंजीत उर्फ चिरंजी (21) निवासी फागी जिला जयपुर का रहने वाला है । आरोपी के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में चेन स्नेचिंग और नकबजनी के 15 से अधिक आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज हैं । आरोपी इतना शातिर है कि उसने हाल ही में श्यामनगर थाना इलाके में भी चेन स्नैचिंग की एक वारदात को अंजाम दिया था। जिसका मामला वहां दर्ज है । पुलिस अब आरोपी से सख्ती से पूछताछ कर रही है, जिससे शहर में हुई अन्य वारदातों के खुलने की भी संभावना है। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि परिवादी अंकुर शर्मा ने 12 दिसंबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी माताजी अपनी पोती के साथ स्कूल से घर लौट रही थीं, तभी जनकल्याण अस्पताल के पास बाइक सवार दो बदमाश उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए थे । इस संबंध में करधनी थाने में बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था ।